प्रधान मंत्री
आवास योजना-शहरी
Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban

नगर पंचायत,
श्री बंशीधर नगर

सफलता की कहानी

महान यूनानी दार्शनिक अरस्तु ने कहा था कि **''मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।''** अरस्तु प्लेटो के शिष्य थे एवं सिकन्दर के गुरू थे, अरस्तु का कहना था कि अन्य जीवों की तरह मनुष्य भी एक सामाजिक प्राणी है जिसे समाज का प्यार और साथ की जरूरत होती है, जो की उसी समाज में जन्म से मृत्यु तक सादगी एवं सुकुन भरी जीवन जीने के लिए सदैव संघर्ष कर रहा होता है।

आज मैं उसी संघर्ष की गाथा को आप तक पहुँचाने की कोशिश कर रहा हूँ जो कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभुक की है। जी हाँ वो शख्स हैं श्रीमती सरीता देवी पति श्री चन्दन कुमार मेहता जी जो कि नगर पंचायत, श्री बंशीधर नगर के वार्ड न0–16 के स्थायी निवासी हैं। चन्दन कुमार मेहता जी पेशे से एक ऑटो ड्राईवर हैं, जिससे वे अपने परिवार की जीविका चलाते हैं।

ऑटो ड्राईविंग करते चन्दन कुमार मेहता जी

चन्दन कुमार मेहता को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से आवास मिलने सम्बन्धी जानकारी ऑटो ड्राईविंग के क्रम में ऑटो पर सवार लोगो से ही प्राप्त हुयी की सरकार शहरी गरीबों को गृह निर्माण हेतु सहायता के रूप में 2,25,000/– (दो लाख, पचीस हजार) रूपये मुहैया कराती है, जिसमें अपनी सहयोग राशि लगाकर दो कमरा, किचन, बाथरूम बनाना होता है। तब ये वार्ड पार्षद से सम्पर्क कर पत्नि श्रीमती सरीता देवी के नाम से आवेदन वार्ड पार्षद को समर्पित किया और वार्ड पार्षद ने इनका सहयोग करते हुए स्वीकृति हेतु आवेदन–पत्र नगर पंचायत कार्यालय में समर्पित किया।

मिट्टी का घर

वर्ष 2017–18 में स्वीकृति उपरान्त इनका लाभार्थी संख्या–203474738352700070 मिला। इन्होंने अपनी सहयोग राशि एवं सरकार द्वारा चार विभिन्न किश्तों में प्राप्त राशि से 6 माह के अन्दर अपना सपनों का घर तैयार कर लिया।

इसी कड़ी में सरीता देवी के पति चन्दन कुमार मेहता भावुक होकर खुशी के आँसू पोछते हुए बताते हैं कि मैंने गृह निर्माण के लिए रात्रि में भी ऑटो ड्राईविंग किया ताकि अपनी सहयोग राशि लगा कर एक जगमगाता सा सपनों का अपना आशियाना बना सकूँ।

अब ये गौरान्वित अंदाज एवं बुलंद हौसले से सफलता की कहानी बताते हैं कि मेरे परिवार का अब समाज में संघर्ष कर सरकार द्वारा सहयोग राशि से अपना आशियाना बना लेने से एक अलग मान–सम्मान एवं पहचान मिली है, जिसे मेरा परिवार कभी सपनों में भी नहीं सोचा था।

बनकर तैयार सपनों का आशियाना

अंत में निःसंदेह कहा जा सकता है कि यदि मनुष्य अपने संघर्ष के बलबूते कुछ सपनों को हासिल कर लेता है, तो सचमूच अरस्तु के कथनों को सही साबित करते हुए समाज में नई, उमंग एवं हौसलों भरी जिदंगी जिना शुरू कर देता है, कुछ यू ही हुआ हमारे सरीता देवी एवं चन्दन कुमार मेहता जी के परिवार के साथ। सपनों का आशियाना हो जाने की खुशी की रौशनी इनके परिवार के चेहरों पर आज भी देखी या महसूस कि जा सकती है, वह रौशनी ऐसी कि मानो एक आईने से टकराकर सूर्य की रौशनी निकलती हो।

द्वारा

इरसाद आलम, एम0आई0एस0 विशेषज्ञ, आलोक नारायण, टाउन प्लानर,
नगर पंचायत, श्री बंशीधर नगर।